दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२६७ वा | रविवार २७ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बीड में वक्फ बोर्ड का पहला मेडिकल कॉलेज स्थापित होने की दिशा में बड़ी पहल

पालकमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में बैठक-काज़ी समीर

बीड, २६ अप्रैल (प्रतिनिधि):
महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड का पहला मेडिकल कॉलेज बीड में स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में मंगलवार, २९ अप्रैल २०२५ को मुंबई के मंत्रालय में राज्य के वित्त मंत्री तथा बीड जिले के पालकमंत्री नामदार अजित दादा पवार की प्रमुख उपस्थिति में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। यह जानकारी महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष काज़ी समीर ने दी है।

शनिवार को सायंकालीन समय में गेवराई के वरिष्ठ पत्रकार काज़ी अमान ने बीड स्थित कार्यालय में काज़ी समीर से भेंट कर इस सफलता के लिए उनका अभिनंदन किया और किए गए प्रयासों की सराहना की।

जानकारी देते हुए काज़ी समीर ने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे पर बैठक ली थी, जिसमें बीड में वक्फ बोर्ड का मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया गया। बीड जिले के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने संबंधित विभाग को मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश देते हुए इस निर्णय पर मुहर लगा दी थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्णय, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के सहयोग से यह मुद्दा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऐसा भी काज़ी समीर ने कहा।

काज़ी समीर ने बताया कि बीड में वक्फ बोर्ड का मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए उन्होंने प्रारंभ से ही लगातार प्रयास किए थे और अब उनके इन प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है।

इस संदर्भ में शीघ्र ही एक समिति का गठन किया जाएगा। इसी के तहत मंगलवार, २९ अप्रैल २०२५ को मुंबई के मंत्रालय में राज्य के वित्त मंत्री तथा बीड जिले के पालकमंत्री नामदार अजित दादा पवार, चिकित्सा शिक्षा मंत्री नामदार हसन मुश्रीफ, अल्पसंख्यक विकास मंत्री नामदार दत्तात्रय भरणे तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की प्रमुख उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस शिंदे गुट के विधायक पर भड़के

पुलिस के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं की तो होगी कार्रवाई-फडणवीस

मुंबई, २६ अप्रैल (अज़ीज़ एजाज):
मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ के महाराष्ट्र पुलिस के खिलाफ दिए गए बयान से काफी नाराज़ हैं। उन्होंने कहा कि गायकवाड़ का बयान बिल्कुल अनुचित है। मैं एकनाथ शिंदे से आग्रह करूंगा कि वे इस विषय पर कड़ी शब्दों में स्पष्टीकरण मांगें। अगर वे बार-बार इस तरह के बयान देते रहे तो उनके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी।

पुणे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पुलिस के खिलाफ इस तरह का बयान देना सही नहीं है। मैं खुद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से कहूंगा कि वे संजय गायकवाड़ को कड़ी चेतावनी दें। यदि ऐसा रवैया जारी रहा तो कार्रवाई अनिवार्य होगी।

गौरतलब है कि विधायक संजय गायकवाड़ ने एक विवादित बयान में कहा था कि दुनिया में महाराष्ट्र पुलिस जैसा निष्क्रिय विभाग कोई नहीं है। गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि जब सरकार कोई कानून लागू करती है तो पुलिस का 'हफ्ता' (अवैध वसूली) बढ़ जाता है। यदि शराब पर प्रतिबंध लगाया जाता है तो पुलिस का हफ्ता और बढ़ा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य और देश की पुलिस ईमानदारी से काम करे तो दुनिया से अपराध का पूरी तरह से सफाया हो सकता है।

गायकवाड़ ने आगे कहा कि उन्होंने एक खबर पढ़ी जिसमें एक पुलिस अधिकारी चोरों का मास्टरमाइंड निकला। इसके अलावा बुलढाणा में दो पुलिसकर्मी ऐसे पाए गए जिनकी चोरों से मिलीभगत थी। जब ये पुलिसकर्मी चोरों को पकड़ने जाते थे, तो पहले ही सूचना देकर बचा लिया जाता था और चोरी का सामान उनके घरों में रखा जाता था। गायकवाड़ ने कहा कि अगर पुलिस ईमानदारी से काम करे तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी और अपराध समाप्त हो जाएंगे।

विधायक गायकवाड़ अक्सर अपने विवादास्पद बयानों के चलते चर्चा में रहते हैं। इससे पहले आरक्षण के मुद्दे पर बयान देते हुए उन्होंने राहुल गांधी की जुबान काटने वाले को ११ लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। इस बार उन्होंने राज्य के गृह विभाग को निशाने पर लिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में गृह विभाग की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास है।

बीड शहर में पानी की किल्लत को लेकर ईट जलशुद्धिकरण प्रकल्प

जल्द से जल्द पाइपलाइन मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बीड, २६ अप्रैल (प्रतिनिधि):
बीड शहर के नागरिकों को पानी के बिना हो रही परेशानी को देखते हुए ईट स्थित जलशुद्धिकरण प्रकल्प पर जाकर निरीक्षण विधायक संदीप क्षीरसागर, पुर्व विधायक सय्यद सलीम, और अब्दुल कय्यूम इनमादार ने किया गया। वहां ठिया जमाकर प्रशासन का ध्यान समस्या की गंभीरता की ओर आकर्षित किया गया।

शहर में नियमित और सुचारू पानी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाइपलाइन मरम्मत कार्य को तत्काल पूरा करने के स्पष्ट निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए।

साथ ही प्रशासन को चेताया गया कि जब तक बीड शहरवासियों को नियमित जलापूर्ति नहीं होती, तब तक यह मुद्दा लगातार उठाया जाता रहेगा और मेरा प्रयास अनवरत जारी रहेगा।

पात्रुड में मराठी और उर्दू माध्यम का जूनियर कॉलेज शुरू करें मोमिन जुबैर

आ.प्रकाश सोळंके को दिया गया निवेदन पत्र

पात्रुड:(खतीब एजाज) माजलगांव तालुका के पात्रुड और आसपास के क्षेत्रों की लड़कियों और छात्राओं की कॉलेज शिक्षा में असुविधा से बचने के लिए, पात्रुड के एनसीपी युवा नेता मोमिन जुबैर ने शिक्षण अधिकारी बीड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीड और माजलगाव के विधायक माननीय प्रकाश दादा सोळंके को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की कि जिला परिषद स्कूल, पात्रुड में एक मराठी और उर्दू माध्यम का जूनियर कॉलेज शुरू किया जाए। इस समय दादा ने जिला परिषद, बीड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फोन करके तुरंत सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा और आश्वासन दिया कि वे सरकारी स्तर पर इसका अनुसरण करेंगे। इस अवसर पर महाराष्ट्र कॉटन जिनिंग के मालिक और उर्दू माध्यम, माध्यमिक विद्यालय समिति के अध्यक्ष जुबैर मोमिन, बालासाहेब येवले,मराठी माध्यम, माध्यमिक विद्यालय समिति के अध्यक्ष श्री अरुणराव जंगले, प्राथमिक विद्यालय समिति के अध्यक्ष समीयोद्दीन अंसारी,पात्रुड़ के उपसरपंच श्री घनश्याम दादा भुतडा और विद्यालय समिति के सदस्य रियाज सैयद, जब्बार शेख, मुईन मोमिन और फिरोज शेख उपस्थित थे।

राज्य में पालतू जानवरों के लिए सशुल्क श्मशानभूमि की सुविधा

पैसे देकर कर सकेंगे अंतिम संस्कार; सरकार ने जारी किया परिपत्रक

जमीर काज़ी
मुंबई, २६ अप्रैल:
राज्य में मृत पालतू जानवरों को अक्सर खुले में फेंक दिया जाता है, जिससे दुर्गंध और बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ता है। इसी समस्या को रोकने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पालतू जानवरों के अंतिम संस्कार हेतु सशुल्क श्मशानभूमि स्थापित करने का आदेश जारी किया है। इसके तहत नगर विकास विभाग ने सभी स्थानीय स्वराज संस्थाओं को घनकचरा प्रबंधन केंद्रों के पास आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इस पहल के पीछे परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा विधिमंडल में उठाए गए प्रश्न और प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं।

कुत्ते, बिल्लियां, सफेद चूहे और अन्य गोवंशीय पालतू जानवरों की आयु सीमा अपेक्षाकृत कम होती है। इन जानवरों की मृत्यु के बाद यदि उनके शवों का उचित निपटान नहीं किया गया तो दुर्गंध फैलने और बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है, जिससे नागरिकों को काफी असुविधा होती है। इसी पृष्ठभूमि में नगर विकास विभाग ने स्थानीय स्वराज संस्थाओं को घनकचरा प्रबंधन केंद्रों के निकट पालतू जानवरों के अंतिम संस्कार हेतु पृथक स्थल तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही इस संदर्भ में एक मार्गदर्शक निर्देशिका भी तैयार की गई है, जिसका पालन राज्य की सभी स्थानीय स्वराज संस्थाओं को करना अनिवार्य होगा।

निर्देशों के मुख्य बिंदु:

सभी स्थानीय निकाय पालतू जानवरों के अंतिम संस्कार हेतु निर्धारित स्थल को चारदीवारी से सुरक्षित करें।

अंतिम संस्कार करते समय दुर्गंध और बीमारियों के प्रसार से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरती जाए।

मृत पालतू जानवरों को अन्यत्र न फेंका जाए, इसकी विशेष निगरानी की जाए।

नागरिकों से निर्धारित शुल्क लेकर अंतिम संस्कार की अनुमति दी जाए।

कुत्ते, बिल्लियां, सफेद चूहे आदि पालतू जानवरों के लिए विशेष श्मशानभूमि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

गौरतलब है कि तत्कालीन विधायक एवं वर्तमान परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने जुलाई २०२३ में विधिमंडल में यह मुद्दा उठाकर सरकार का ध्यान इस दिशा में आकर्षित किया था।

पहला प्रयोग ठाणे और मीरा-भाईंदर में शुरू:

पालतू जानवरों के अंतिम संस्कार हेतु श्मशानभूमि की व्यवस्था का पहला प्रयोग ठाणे और मीरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रों में किया जा रहा है। मंत्री प्रताप सरनाईक के प्रयासों से इन दोनों महानगरपालिकाओं की सीमा में स्थित आरक्षित भूमि पर गैस आधारित संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से पालतू जानवरों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। जल्द ही इन केंद्रों का उद्घाटन किया जाएगा।

इस निर्णय से मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत रहने वाले १२ हजार से अधिक पालतू जानवर पालकों को बड़ी राहत मिली है। अनेक पशुप्रेमियों ने इस निर्णय का स्वागत किया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

शिक्षक भर्ती के लिए अनिवार्य अभियोग्यता और बुद्धिमापन परीक्षा के लिए पात्र उम्मीदवार करें आवेदन-प्रा. अमर शेख

बीड़, २६ अप्रैल (प्रतिनिधि):

महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद की ओर से शिक्षक भर्ती के लिए अनिवार्य अभियोग्यता और बुद्धिमापन परीक्षा (ढ-खढ २०२५) का आयोजन २४ मई से ६ जून २०२५ के बीच किया जाएगा। इस परीक्षा में सम्मिलित होने के इच्छुक डी.एड. या बी.एड. पात्रताधारी उम्मीदवारों से अपील की गई है कि वे पवित्र पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन भरें और इस अवसर का लाभ उठाएं। यह अपील राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) पदवीधर संघटना के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोहम्मद अली जौहर शिक्षा महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक प्रा. अमर शेख ने की है।

यह परीक्षा खइझड कंपनी के माध्यम से आयोजित की जाएगी। परीक्षा कुल २०० अंकों की होगी, जिसमें १२० अंक अभियोग्यता के और ८० अंक बुद्धिमापन के होंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे रहेगी। उम्मीदवार यह परीक्षा मराठी, उर्दू या अंग्रेजी माध्यम से दे सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन करते समय उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश:

ऑनलाइन आवेदन में नाम आधार कार्ड पर दर्ज नाम के अनुरूप होना अनिवार्य है।

परीक्षा या चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में पहचान पत्र के रूप में आधार कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

अगर आवेदन पत्र में दर्ज नाम और आधार कार्ड पर दर्ज नाम में कोई भिन्नता पाई गई, तो उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

इसलिए आवेदन करते समय सभी दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक जांच कर आवेदन भरें।

ढ-खढ २०२५ परीक्षा कार्यक्रम:

आवेदन पत्र भरने की अवधि: २६ अप्रैल २०२५ से १० मई २०२५ तक

ऑनलाइन परीक्षा: २४ मई २०२५ से ५ जून २०२५ तक

प्रवेश पत्र डाउनलोड: परीक्षा से ७ दिन पूर्व

परीक्षा शुल्क:

खुला वर्ग (अनारक्षित) - ९५०/-

पिछड़ा वर्ग/एथड/डएइउ/अनाथ/दिव्यांग - ८५०/-

शिक्षक पात्रता हेतु शैक्षणिक योग्यता:

कक्षा १ से ५ के लिए: डी.एड. + टीईटी पेपर १ उत्तीर्ण

कक्षा ६ से ८ के लिए: स्नातक + डी.एड. या बी.एड. + टीईटी पेपर २ उत्तीर्ण

कक्षा ९ और १० के लिए: बी.एड.

कक्षा ११ और १२ के लिए: एम.ए./एम.एससी./एम.कॉम. + बी.एड.

(कक्षा ९ से १२ तक के लिए टीईटी उत्तीर्ण अनिवार्य नहीं है।)

शिक्षक भर्ती के लिए आवश्यक दस्तावेज:

मोबाइल नंबर

ईमेल आईडी

हस्ताक्षर, पता, जन्मतिथि

पहचान पत्र (आधार कार्ड/पैन कार्ड/मतदान कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस)

जन्म प्रमाणपत्र/स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट

एसएससी अंकपत्र व प्रमाणपत्र

एचएससी अंकपत्र व प्रमाणपत्र

स्नातक डिग्री अंकपत्र व प्रमाणपत्र

स्नातकोत्तर डिग्री अंकपत्र व प्रमाणपत्र

डी.एड./डी.टी.एड. अंकपत्र व प्रमाणपत्र

बी.एड. अंकपत्र व प्रमाणपत्र

टीईटी/सीटीईटी अंकपत्र व प्रमाणपत्र

जाति प्रमाणपत्र

जाति वैधता प्रमाणपत्र

अधिवास प्रमाणपत्र

लघु परिवार शपथपत्र/प्रमाणपत्र

एमएस-सीआईटी प्रमाणपत्र

नाम परिवर्तन प्रमाणपत्र (विवाह प्रमाणपत्र/शपथपत्र/राजपत्र)

महिला आरक्षण प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)

नॉन-क्रीमीलेयर प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)

पेसा क्षेत्र प्रमाणपत्र (केवल अनुसूचित जनजाति के लिए)

खिलाड़ी, अनाथ, दिव्यांग, प्रकल्पग्रस्त, भूकंपग्रस्त, भूतपूर्व सैनिक, अंशकालिक कर्मचारी संबंधित प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)

प्रा. अमर शेख का आवाहन:

प्रा. अमर शेख ने अपने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि शिक्षक बनने की इच्छा रखने वाले पात्र उम्मीदवारों को चाहिए कि वे उपरोक्त सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समय रहते पवित्र पोर्टल पर आवेदन करें और अपने संपूर्ण दस्तावेजों के साथ इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं।

जिंतूर में मुस्लिम समाज ने लगाए 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे!

पहलगाम हमले का कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन

जिंतूर (एम. एजाज जिंतुरकर): कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए भीषण हमले में २८ निर्दोष पर्यटकों की हत्या के विरोध में जिंतूर के मुस्लिम समाज ने २५ अप्रैल २०२५, शुक्रवार को शाम सात बजे कैंडल मार्च निकालकर आतंकवादी हमले और पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। साथ ही शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और तहसीलदार राजेश सरवदे के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भेजा गया।

ज्ञापन में मांग की गई है कि इस हमले में शहीद हुए सभी पर्यटकों और कश्मीरी नागरिकों के परिवारों को प्रति व्यक्ति ५० लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए, इस हमले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी आतंकवादियों को उनकी ही भाषा में करारा जवाब दिया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को अंजाम देने की कोई हिम्मत न कर सके। इसके साथ ही पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों, गायकों, कलाकारों और आम नागरिकों को भारतीय वीजा न दिया जाए, संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाने की पहल की जाए और पाकिस्तान के साथ सभी आर्थिक व व्यापारिक संबंध समाप्त किए जाएं।

दादा शरीफ चौक से शुरू हुए इस कैंडल मार्च के दौरान 'पाकिस्तान मुर्दाबाद', 'आतंकवाद मुर्दाबाद' और 'हिंदू-मुस्लिम भाई-भाई' के नारे लगाते हुए शहर का वातावरण गूंज उठा। यह मार्च दादा शरीफ चौक से होते हुए मेन चौक, पुलिस स्टेशन, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक मार्ग, बस स्थानक से होकर तहसील कार्यालय पहुंचा।

इस अवसर पर ॲड. शोएब सिद्दीकी, डॉ. इरफान आगाई पटेल और सुलेमान काज़ी ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए घटना की निंदा की और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कैंडल मार्च को सफल बनाने में 'टीपू सुल्तान ब्रिगेड' तथा पूर्व नगरसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निरगुडी में आकार ले रहा है संत सावता महाराज का मंदिर

भूमिपूजन समारोह उत्साह के साथ संपन्न; प्रतिभाशाली भूमिपुत्रों का सम्मान

बीड, २६ अप्रैल (प्रतिनिधि):

पाटोदा तालुका के निरगुडी गांव में शनिवार (२६ अप्रैल) को संत शिरोमणि सावता महाराज मंदिर के भूमिपूजन और प्रतिभावान भूमिपुत्रों के सम्मान समारोह का आयोजन बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संत सावता महाराज की प्रतिमा की पूजा और स्वर्गीय लक्ष्मण उर्फ छान महाराज शेलार को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। गांव में संत सावता महाराज का मंदिर आकार ले रहा है, इस पर वर्करी संप्रदाय द्वारा ग्रामवासियों की सराहना की गई।

संत शिरोमणि सावता महाराज के वंशज ह.भ.प. सावता महाराज वसेकर और ह.भ.प. रविकांत महाराज वसेकर के हाथों भूमिपूजन विधि संपन्न हुई। इस अवसर पर मंच पर ह.भ.प. मकरंद महाराज शास्त्री, ह.भ.प. रामदास महाराज भारती, ह.भ.प. शिवाजी महाराज येवले, ह.भ.प. भक्तिदास महाराज शिंदे, ह.भ.प. पांडुरंग महाराज कराड, ह.भ.प. भगवान महाराज लिंबारुईकर, ह.भ.प. लक्ष्मण महाराज फड, ह.भ.प. नामदेव महाराज जगदाळे, ह.भ.प. भगवान महाराज बारगजे और ह.भ.प. प्रेम महाराज जगदाळे समेत वर्करी संप्रदाय के अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

कार्यक्रम में राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के भी कई गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें राज्य अन्न आयोग के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त ड. सुभाष राऊत, सागर सुरेश धस, अजय भीमराव धोंडे, ड. सतीश शिंदे, रविराज बडे, पांडुरंग नागरगोजे, संजय तुपे, आजिनाथ गवळी, शुभम खाडे, रामेश्वर गोरे, अविनाश उगले, सावता काळे, शिवाजी शेलार और सुनील शेलार आदि का समावेश रहा।

यह कार्यक्रम हनुमान शेलार, ह.भ.प. प्रवीण महाराज शेलार और ग्रामवासियों के संयुक्त प्रयास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में निरगुडी और आसपास के गांवों से भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विशेष सम्मान: मंदिर के लिए भूमि दान करने वाली रुक्मिणी सानप और अन्य प्रतिभाओं का सत्कार

इस समारोह में मंदिर के लिए भूमि दान करने वाली रुक्मिणी सानप का विशेष सम्मान किया गया। इसके साथ ही नव-नियुक्त पुलिस उपनिरीक्षक बिभीषण बेदरे, राजेश निर्मळ, डॉ. यश राऊत (एमबीबीएस), जलसंपदा विभाग के अविनाश महानोर, तेजस्विनी घुमरे, शिक्षक अशोक शेलार, पुलिस कांस्टेबल संतोष बजगुडे, रोहित शिंदे तथा गांव की पहली महिला पुलिसकर्मी ज्योति जाधव का भी सम्मान किया गया।

सोमवार से पदवीधर शिक्षकों का अनिश्चितकालीन उपोषण

विषय रूपांतरण की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान

बीड, २६ अप्रैल (प्रतिनिधि):

बीड जिला परिषद के अंतर्गत कार्यरत ७४ प्राथमिक पदवीधर शिक्षक अपनी विषय रूपांतरण की मांग को लेकर सोमवार, २८ अप्रैल से बीड जिलाधिकारी कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन उपोषण शुरू करने जा रहे हैं।

प्राथमिक स्तर पर कार्यरत यह पदवीधर शिक्षक वर्तमान में भाषा और सामाजिक विज्ञान विषय पढ़ा रहे हैं। इन शिक्षकों ने बीएससी की डिग्री प्राप्त करने के बाद गणित/विज्ञान विषय में रूपांतरण की मांग की है। बीते आठ महीनों से जिला परिषद के समक्ष यह मांग रखी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस कारण शिक्षकों ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद खंडपीठ में एक रिट याचिका दायर की थी।

३ अप्रैल को उच्च न्यायालय ने दो सप्ताह के भीतर विषय रूपांतरण पर निर्णय लेने का आदेश दिया था, लेकिन जिला परिषद प्रशासन ने अब तक कोई कदम नहीं उठाया है। इस स्थिति में न्यायालय के आदेश को लागू कराने के लिए शिक्षक अब बेमुदत उपोषण शुरू कर रहे हैं।

उपोषण के माध्यम से शिक्षक निम्नलिखित मांगें कर रहे हैं:

बदली पोर्टल पर विषय रूपांतरण की तकनीकी सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

गणित और विज्ञान विषय पढ़ाने की अनुमति दी जाए। उच्च न्यायालय के आदेश का तत्काल पालन किया जाए। पदवीधर शिक्षकों ने स्पष्ट किया है कि अगर उनकी मांगों पर त्वरित कार्रवाई नहीं की गई, तो सोमवार से उनका अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू होगा।

खतरनाक मोड़ पर पलटा बारातियों से भरा टेंपो

एक की मौत, ३० घायल

अंबाजोगाई, २६ अप्रैल (प्रतिनिधि):

विवाह समारोह से लौट रहे बारातियों का टेंपो किनगाव के पास एक खतरनाक मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण पलट गया। इस हादसे में ३० बाराती घायल हो गए, जिनमें से एक की मौत हो गई है। बाकी घायलों का इलाज जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, परभणी जिले के मुस्लिम समाज के लोग अहमदपुर में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होकर टेंपो द्वारा परभणी लौट रहे थे। जब टेंपो परळी तालुका के धर्मापुरी गांव से कुछ दूरी पर स्थित किनगाव के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार के चलते वह असंतुलित होकर पलट गया। हादसा रात लगभग साढ़े दस बजे के आसपास हुआ।

रास्ते से गुजर रहे अन्य लोगों ने तत्काल घायलों को अंबाजोगाई के स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। बड़ी संख्या में घायलों के आने की जानकारी मिलते ही चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश जाधव और आरएमओ डॉ. नागेश आबदगिरे के मार्गदर्शन में डॉ. नितीन साखरे और निलेश पुरी ने तुरंत सभी घायलों का उपचार शुरू किया। प्राथमिक इलाज के बाद कुछ घायलों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि १० से १५ गंभीर रूप से घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com